मुख्य परीक्षा

प्रश्न- वामपंथी उग्रवाद के विकास तथा प्रसार के बीच क्या संबंध है? उपयुक्त उदाहरण सहित व्याख्या करें।

(250 शब्द)

What is the relation between the proliferation and growth of leftwing extremism? Elaborate with appropriate example.

(250 Words)

मॉडल उत्तर

- भूमिका में वामपंथ उग्रवाद को बताएं।
- अगले पैराग्राफ में विकास से जुड़े कारणों को बताएं, जो उग्रवाद को फैलाने में सहायक हैं।
- अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।

'नक्सल' शब्द पश्चिम बंगाल के दार्जलिंग जिले के नक्सलवाड़ी गांव से लिया गया है। जहाँ 1967 में चारू मजूमदार तथा कानू सन्याल के नेतृत्व में एक आंदोलन की शुरूआत हुई थी। वामपंथी ऐसे कम्युनिस्ट हैं, जो चीन के क्रांन्तिकारी नेता माओत्सेतुंग के सिद्धातों पर आधारित राजनीतिक विचारधारा रखते हैं। वामपंथी विचारधारा से प्रेरित होकर शासकीय प्रतिष्ठित वर्गों के खिलाफ किसान वर्ग का हिसांत्मक विरोध इतिहास में बार-बार होता रहा है। इन हिंसात्मक आन्दोलनों का आधार मार्क्स तथा इंजेल के लेखों को माना जाता है।

उदाहरणार्थ:- पश्चिम बंगाल के लगभग कुछ क्षेत्रों को सरकार द्वारा विकास कार्य कराके वाम उग्रवाद से मुक्त करा दिया गया परन्तु बिहार, झारखण्ड, छत्तीसगढ़ के कुछ जिले हैं जहाँ विकास के अभाव के कारण वामपंथ आज भी पैर जमाये हुए है। छत्तीसगढ़ का कांकेर जिला 2018 में विकास कार्यों के उपरांत ही उसे उग्रवाद से मुक्त कराया जा सका है। इसी प्रकार आन्धप्रदेश का पी.डब्ल्यू. जी. तथा सी.पी.आई. को भी लिख सकते हैं।

उग्रवाद के प्रसार तथा विकास के मध्य संबंध:-

किसी खास क्षेत्र में आतंकवाद के फैलने के लिए कुछ सहायक एवं उपयुक्त आधार होना चाहिए। गरीबी, बेरोजगारी तथा विकास का अभाव ऐसे कारण हैं, जो इन्हें उपयुक्त वातावरण देते हैं। आतंकवाद के साथ एक विचारधारा का होना आवश्यक होता है, जो धर्म, जाति तथा क्षेत्र के नाम पर बनाई जाती है।

- **जल-जंगल-जमीन:-** सदियों से अदिवासियों का वन के साथ सहवर्ती संबंध है, जो उनका स्वाभाविक घर-संसार है। परन्तु आधुनिक कानून तथा सरकारों ने विगत सदी के दौरान आदिवासियों के वन के साथ सदियों पुराने संबंधों को बदल दिया है। वन संरक्षण अधिनियम, 1980 ने आदिवासियों के जीवन-यापन के स्त्रोत को उनसे छीन लिया है। जिसकी भरपाई उस स्थान पर किए गए विकास के कार्यों से भी नहीं की जा सकती है। अब उनके पास न तो मूलभूत सुविधाएँ (यातायात, संचार, बिजली) हैं और न ही विकास कारण उन्हें आर्थिक लाभ मिला है।
- **आर्थिक मामले:-** गरीबी, बेरोजगारी तथा शिक्षा के अभाव को उग्रवाद का मूलभूत कारण माना जाता रहा है। गरीबी तथा बेरोजगारी आर्थिक रूप से कमजोर परिस्थिति आर्थिक अवसर के अभाव की ओर इशारा करती है। जिसके फलस्वरूप सकारात्मक रोजगार पाने के अवसर बाधित हो जाते हैं। नौजवानों में बेरोजगारी उन्हें उग्रवाद की ओर धकेलती है। अत्यधिक बेरोजगारी तथा अमीर-गरीब के बीच बढ़ती दरार भी आतंकवादी संगठनों के लिए शिक्षित, बेरोजगार नौजवानों को, जो प्रभावशाली तथा घातक हमले करने में सक्षम हैं, भर्ती करना अत्यंत आसान बना देती है।

सामाजिक कारण:- समाज के कुछ भागों में गंभीर सामाजिक दरार तथा बहिष्कृत एवं हाशिये पर होने का मलाल भी उग्रवाद की ओर जाने के लिए प्रेरित करता है। इसके अतिरिक्त, आर्थिक विकास तथा सामाजिक प्रतिष्ठा की वंचनीय स्थिति और निराशा भी उग्रवाद को बढ़ावा देती है।

राजनीतिक कारण:- ऐसी जगह जहाँ मानवाधिकार तथा प्रजातांत्रिक मूल्यों का अभाव है, असंतुष्ट दल हिंसा की ओर प्रेरित हो जाते हैं। नागरिक स्वतंत्रता तथा राजनीतिक अधिकारों के ऊपर कड़ी कानूनी पाबंदी उग्रवाद को हवा देने का कार्य करती है।

सुशासन का अभाव:- ऐसे स्थानों को जहाँ पर कमजोर सरकारी तंत्र है या नहीं के बराबर उग्रवादी अपने सुरक्षित किले के रूप में इस्तेमाल करते हैं। ऐसे स्थान पर आम समुदाय भी सरकार की उदासीनता के कारण उग्रवाद को सक्रिय या अप्रत्यक्ष समर्थन देते हैं।

इसी प्रकार जाति संबंधी, भौगोलिक एवं ऐतिहासिक कारण हैं। उग्रवाद के बढ़ने और निम्न विकास के बीच के संबंधों का ऊपर विश्लेषण किया जा चुका है।

अत: हम कह सकते हैं कि वामपंथी उग्रवाद के प्रसार एवं विकास के बीच संबंध स्थापित है।

अंत में संतुलित एवं सारगर्भित निष्कर्ष दें।